ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -19 अंक -22 फरवरी-II-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. -10.00

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 50वाँ स्मृति दिवस

शांतिवन। 18 जनवरी को विशाल डायमण्ड हॉल में हज़ारों की संख्या में देश विदेश से आये ब्र.कु. भाई बहनों ने राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास द्वारा ब्रह्मा बाबा को अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर मनाया 50वाँ स्मृति दिवस।

बाबा के कमरे में मेडिटेशन करते हुए राजयोगिनी दादी जानकी।

ब्रह्मा बाबा के 50वें स्मृति दिवस पर विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा के पद्चिन्हों पर चल हम अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकते हैं। बाबा ने सभी

को अपने जीवन से शिक्षा दी। ब्रह्मा बाबा का सम्पूर्ण निश्चय परमपिता पर रहा। जिसकी वजह से ही उन्होंने हज़ारों भाई बहनों को इस राह पर चलने के लिए तैयार किया। बाबा का जीवन ही हम सबको आध्यात्मिक जीवन जीने की हिम्मत देता है। और जीवन में सबकुछ करते हुए भी परमात्मा की याद से श्रेष्ठ कर्म कैसे करना है, ये हमें बाबा से सीखने को मिला। सबके प्रति कल्याणकारी भाव के साथ जीवन जीने की प्रेरणा बाबा से मिली।

पाण्डव भवन-माउण्ट आबू। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का जीवन एक खुली किताब की तरह है। त्याग, तपस्या से परिपूर्ण उनका जीवन हर किसी के चरित्र को श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा देने वाला रहा। उक्त विचार उन्होंने मुख्यालय में ब्रह्मा बाबा के 50वें स्मृति दिवस कार्यक्रम में देश विदेश से आए हज़ारों जिज्ञासुओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

ज्ञानसरोवर निदेशिका ब्र.कु. डॉ. निर्मला ने कहा कि विश्व शांति के कार्य में ब्रह्मा बाबा ने सम्पूर्ण समर्पणता के साथ विकटतम परिस्थितियां आने के बावजूद भी निःस्वार्थ सेवा की मशाल जलाए रखी। जिनकी तपस्या की बदौलत आज विश्व नवनिर्माण के विशाल कार्य को समूचे विश्व में मूर्तरूप देने के लिए लाखों की तादाद में भाई-बहनें तत्पर हैं। राजनीतिक प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. बृजमोहन ने ब्रह्मा बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उ न के पदचिन्हों पर चलने को प्रेरित किया। खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शशि ने कहा कि समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने बखूबी निभाया। इस कार्य को सम्पन्न करने के लिए हर व्यक्ति को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ राजयोगी भाई बहनें तथा देश विदेश से आए हज़ारों जिज्ञासु मौजूद थे। दिन भर ध्यान, योग,

दिनभर राजयोग साधना के कार्यक्रम

साधना के ज़रिए संगठित रूप से विश्व में शांति के शक्तिशाली वायब्रेशन्स प्रवाहित हुए। राजयोगी भाई बहनों का अलसुबह से ही ब्रह्मा बाबा के शांति स्तंभ पर तांता लगा रहा। सबने अपने जीवन को ब्रह्मा बाबा समान सम्पन्न और सम्पूर्ण बनाने का संकल्प लिया।

पाण्डव भवन। अलसुबह से ही शांति स्तम्भ पर राजयोग साधना कर ब्रह्मा बाबा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए ब्र.कु. भाई बहनें।